Hindi Murli Quiz 28-08-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice		Match
A	बाप गद्दी पर हो और बच्चा दास-दासी बने	1	फिर बहुत पछतायेंगे। नाहेक ऐसा किया।
B	पिछाड़ी में तुमको सब साक्षात्कार होंगे।	2	चकनाचूर हो जायेंगे।
C	सन्यासी भी ब्रह्मचर्य में रहते हैं,	3	तो विकारी सब उनको माथा टेकते हैं।
D	किसकी तकदीर में नहीं है तो	4	बाप आकर पढ़ाते फिर भी गफ़लत करते रहते हैं। याद ही नहीं करते।
E	अगर कोई विकार में गिरा तो	5	बुद्धि में धारणा हो नहीं सकती।
F	बाबा कहते हैं तुम ऐसी कड़ी भूल करेंगे तो	6	कितनी लज्जा की बात है।

Q.2) **अक्लमंद बच्चे किस राज़ को समझकर ठीक रीति से समझा सकते हैं?**

A. ब्रह्मा कौन है और वह ब्रह्मा सो विष्णु कैसे बनते हैं।
B. मनुष्य हर जन्म में मनुष्य ही बनता है |
C. यह चक्र लाखों वर्षा का नहीं बल्कि पांच हज़ार वर्ष का है |
D. हम कौन हैं और कहाँ से आये हैं ?

Q.3) **Match the following**

	Choice		Match
A	वर्तमान समय कई आत्मायें अपने आपही स्वयं के अकल्याण के	1	जो बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता है।
B	किसी भी आत्मा के पार्ट को देखकर स्वयं हलचल में नहीं आओ	2	उस प्रमाण संकल्प, वाणी और कर्म में रहमदिल बन वायुमण्डल को चेंज करने में सहयोगी बनो।
C	विश्व कल्याणकारी वा विघ्न विनाशक का जो टाइटल है	3	निमित्त बन रही हैं, उनके लिए रहमदिल बन कोई प्लैन बनाओ।
D	कर्मयोगी वही बन सकता है	4	लेकिन उनकी सेफ्टी का साधन सोचो, ऐसे नहीं कि यह तो होता रहता है, झाड़ को तो झड़ना ही है।

Q.4) **Match the following**

	Choice		Match
A	कुम्भकरण की नींद में सोये हुए हैं।	1	विनाश के समय जागेंगे फिर क्या कर सकेंगे!
B	सब हैं निधनके, तुम हो धनी के।	2	नीचे-ऊपर यात्रा होती है।
C	याद में रहने से तुम सेफ्टी में रहेंगे।	3	बाप कहते हैं - नहीं, ड्रामा में जो होता है, उनको साक्षी हो देखते चलो और साथ-साथ याद की यात्रा में मस्त रहो।
D	बतलाता। बाबा अन्तर्यामी होता तो पहले से बताता।	4	बाप कहते बच्चे, यह तुम्हारा बड़ा कर्मभोग है।
E	याद की यात्रा में कभी उमंग रहता है, कभी ढीला।	5	देह-अभिमान में आने से तुम बहुत धोखा खाते हो।
F	सुखदाता बाप के बच्चे बनकर भी अगर दु:ख की फीलिंग आती है तो	6	कोई लड़ाई आदि तुमको नहीं करनी है।

Q.5) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. नॉलेजफुल का अर्थ कोई अन्तर्यामी वा जानी जाननहार नहीं है। सर्वव्यापी का अर्थ दूसरा है, जानी जाननहार का अर्थ दूसरा है।
B. ब्रह्मा को देवता नहीं कह सकते। यह भी रांग है।
C. ब्रह्मा के लिए तुमको समझाने का बहुत अक्ल चाहिए। प्यादे, घोड़ेसवार मूँझ पड़ते हैं। अवस्था अनुसार समझाते हैं ना।
D. प्रजापिता सूक्ष्मवतन में हो न सके। वहाँ रचना होती नहीं।
E. ऊंच ते ऊंच भगवान को यह रथ तो चाहिए ना। रथ में प्रवेश हो बैठ नॉलेज देते हैं।